वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 103 | बुधवार 6 अगस्त 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जिला कलक्टर ने जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी पर्व एवं शोभायात्रा की व्यवस्था के दिये निर्देश

जयपुर. कासं

जन्माष्टमी पर्व का आयोजन जयपुर शहर के मन्दिर श्री गोविन्ददेवजी सहित शहर के अन्य मन्दिरों में 16 अगस्त (शनिवार) को एवं शोभायात्रा का आयोजन 17 अगस्त (रविवार) को प्रातः से मध्यान्ह तक मन्दिर श्री गोविन्ददेवजी में नन्दोत्सव एवं इसी दिन सांयकाल 4 बजे से श्रीजी की भव्य यात्रा का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार गणेश चतुर्थी पर्व पर शहर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर, ब्रह्मपुरी स्थित श्री गढगणेश मंदिर एवं नहर के गणेश मंदिर पर 26, 27 एवं 28 अगस्त को आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी पर्व एवं शोभायात्रा के आयोजन हेतु उक्त मंदिरों के आस-पास के क्षेत्रों में समुचित साफ-सफाई, प्रकाश की व्यवस्था, बेसहारा पशुओं पर नियंत्रण पर्व से तीन-चार दिन पूर्व करने तथा परकोटे के प्रवेश द्वारों पर सजावटी रोशनी कराने के साथ-साथ मंदिरों के आस-पास मोबाइल टोइलेट्स की व्यवस्था के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिए हैं। इसके साथ-साथ उन्होने यातायात की माकूल व्यवस्था करने के निर्देश भी यातायात विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने जन्माष्टमी एवं गणेश चतुर्थी पर्व के अवसर पर अत्यधिक भीड़ के कारण मोबाइल कनेक्टिविटि कम होने की सम्भावना को देखते हुए बीएसएनएल के डीजीएम (शहर) को मोबाइल कनेक्टिविटि के लिए नई व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं ताकि श्रदालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला कलक्टर ने पर्वों और शोभायात्रा को देखते हुए विद्युत की माकूल व्यवस्था करने के साथ-साथ बरसात के कारण ट्रांसफार्मो व विद्युत लाइन के आस-पास पेड़ पौधो की कटाई-छटाई करवाने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिए है ताकि किसी प्रकार जनहानि न हो। उन्होने इसके साथ-साथ जेडीए एवं नगर निगम के अधिकारियों को बरसात के कारण मंदिरो व शोभा यात्रा मार्गो पर गढडो को समय रहते भरवाने के निर्देश दिए हैं ताकि श्रदालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अतिरिक्त उन्होने कण्ट्रोल रूम बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। इस दौरान उन्होने नगर निगम आयुक्त हैरिटेज एवं ग्रेटर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (प्रथम) एवं (द्वितीय) को, पुलिस उपायुक्त जयपुर-उत्तर एवं यातायात, महाप्रबंधक भारत संचार निगम लि., विद्युत वितरण निगम व जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता, पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों व मंदिर प्रशासन से समन्वय रखते हुये शोभायात्रा मार्ग में समुचित व्यवस्था करने, नागरिक सुरक्षा को इस दौरान संबंधित विभागों से समन्वय रखते हुये अग्निशमन, एम्बूलेंस व्यवस्था, पर्यवेक्षण करने व कलक्ट्रेट में कन्ट्रोल रूम में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं।

भारत विकास परिषद ने छात्राओं की रक्त जांच करवाई

जयपुर. कासं

भारत विकास परिषद के तत्वावधान में 'स्वास्थ्य पहल' कार्यक्रम के अंतर्गत 'एनीमिया मुक्त भारत' प्रकल्प में चित्रकूट नगर शाखा ने क्षेत्र की 10 सरकारी विद्यालयों तथा 3 निजी विद्यालयों की 12 से 18 आयु वर्ग की कुल 1953 छात्राओं की रक्त जांच कारवाई गई। एनीमिया युक्त बालिकाओं को आवश्यक दवा एवं आहार संबंधित परामर्श दिये। सभी शिविरों का आयोजन शाखा के महिला दल द्वारा किया गया जिसका संयोजन एवं क्रियान्वयन महिला संयोजिका जिज्ञा गांधी जी किया इसी क्रम में शिविर हेतु विद्यालयों का चयन आवश्यकता अनुसार प्रधानाचार्यों से सहमति बनना एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करवाने के कार्य शाखा संस्कार संयोजक डॉ. गिरीश चंद्र शर्मा ने किया। शिविरों में चिकित्सक दल तकनीकी विशेषज्ञ भेजने सहित समस्त व्यवस्था डॉ. रवि शेखावत ने की। समस्त संयोजकों का समन्वय एवं क्रियान्वयन हेतु योजना निर्माण का कार्य शाखा अध्यक्षा डॉ. रीटा भार्गव एवं सचिव पंकज शर्मा ने किया तथा स्वयं उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धक भी किया। शिविरों में प्रीति शर्मा, सुरेन्द्र सिंघानिया, समीर गांधी, उर्वी पारीक, मंजुल पालीवाल, जनक अग्रवाल, निशा बंसल, डॉ. गिरीश शर्मा, पीयूष महर्षि का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में संजीव भार्गव प्रांत महासचिव उत्तर-पूर्व प्रांत ने उपस्थित रहकर मार्गदर्शन किया। इसी क्रम में आदर्श विद्या मंदिर राजा पार्क जयपुर में एनीमिया मुक्त भारत प्रकल्प का समापन समारोह किया गया, समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. अग्रवाल, अध्यक्ष AIIMS जोधपुर रहे। जिन्होंने बालिकाओं के एनीमिया होने के कारण, उसके स्वास्थ्य पर होने वाले प्रतिकूल प्रभाव, उनसे बचाव के उपायों का उल्लेख करते हुए बताया कि इससे शारीरिक दुर्बलता के साथ साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी एवं एकाग्रता में कमी होने से अध्ययन को भी प्रभावित करता है। डॉ. अग्रवाल ने परिषद द्वारा संचालित किए जाने वाले इस प्रकल्प को समाज के लिए बहुत उपयोगी बताया। परिषद के उत्तर पूर्व प्रांत के महासचिव संजीव भार्गव ने परिषद द्वारा संचालित प्रकल्पों के उद्देश्यों को विस्तार से समझाते हुए शाखा द्वारा उल्लेखनीय कार्य की प्रशंसा की।

SHRAMAN SHRUT SEVA SANSTHAN
SPECTA QUARTZ SURFACES
A unit of ARL Infratech Ltd.
EnactraX MASTER YOUR SKILLS
A Venture of
PRESENTS
WORLD'S LONGEST NON-STOP LEARNING& MOTIVATIONAL FEST
EXCLUSIVE PARTNER
JEPEE
SAURABH JAIN
MOTIVATIONAL SPEAKER
30 HOURS NON-STOP SPEECH
★ FREE ENTRY
Sunday, 9th Nov. 2025
TIME: 8:00 AM (9th Nov) 2:00 PM (10th Nov)
VENUE: BIRLA AUDITORIUM STATUE CIRCLE, JAIPUR.
THE BIGGEST OPPORTUNITY OF YOUR LIFE
9H
LISTEN FOR 9 HOURS
★ MAKE WORLD RECORD
PHOTO & VIDEOGRAPHY PARTNER
The Foto Gallery
PRIME TIME LEARNING PARTNER
cityvibes
OFF PRIME TIME LEARNING PARTNER
ocean home
CREATIVE PARTNER
ASHMITA JAINN
CONTACT US: +91 9376115577
Website : WWW.Pragyapersonalitydevelopment.com

अच्छे देश में रह रहे हैं फिर भी बुरा काम कर रहे हैं ऐसा नहीं करना चाहिएः मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

समवशरण का वैभव परीक्षा के पुरूस्कार का किया वितरण। श्रमण संस्कृति दिवस के रूप में होगी महा आराधना : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

सब कुछ बुरा है मैं अच्छा हूं तो सदगति निश्चित है सब कुछ अच्छा है और मैं बुरा तो दुर्गति निश्चित है जगत को अच्छा करने की सोची है पर कर नहीं सके खेद है कि अच्छे देश में रह रहे हैं फिर भी बुरा काम कर रहे हैं ऐसा नहीं करना चाहिए इससे हमारा देश वदनाम होती है देश की शान घटती है यदि देश की शान बढ़ा नहीं सकते तो कम से कम ऐसा कोई काम ना करें जिससे देश का मान कम हो अच्छे देश के बासी हो तुम किसी देश की नकल मत करना तुम जैन, ब्राह्मण, क्षत्रिय हो तुम्हारे लिए अच्छा कुल जाति मिली हमारे बाप दादे अच्छे थे तो हम कोई ऐसा काम ना करें जिससे हमारा देश कुल जाति बदनाम हो हमें इस धरती पर कुछ अच्छा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ तो इस जीवन को सार्थक बनाये उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिपुगंव श्रीसुधासागर जी महाराज ने व्यक्त किए ।

सात सात सौ श्री फलो से होगी महा आराधना

इसके पहले धर्म सभा में जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि इस बर्ष रक्षा बंधन पर्व को श्रमण संस्कृति दिवस के रूप में परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में मनाया जा रहा है चतुर्थ काल में हुए उपसर्ग को वटुकब्रह्मचारीवन विष्णुकुमार महा मुनिराज ने दूर किया था उन महातपस्वी मुनिराजो को सात सौ श्री फलो के साथ महापूजन करेंगे इस हेतु प्रत्येक परिवार को सात सात सौ श्री फलो का समर्पण कर महा पूजा करेंगे इस हेतु जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री शैलेन्द्र श्रागर संयोजक उमेश सिघई संयोजक मनोज रन्नौद संयोजक मनीष सिंघई थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री मनोज भैसरवास सहित अन्य प्रमुख जनो ने मुनिश्री को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया इसके पहले समवशरण का वैभव परीक्षा परिणाम घोषित किये गए एवं परम पूज्य गंभीर सागर जी महाराज के सान्निध्य में पुरुस्कारों का वितरण थूवोनजी कमेटी के मंत्री राजेन्द्र हलबाई दारा किया गया।

पाप रोकने के लिए पाप करना पड़े तो गुनाह नहीं है

इसके पहले धर्म सभा में मुनिश्री ने कहा कि पाप रोकने के लिए पाप करना पड़े तो गुनाह नहीं है पापीयों को न्यायलय सजा देता है न्यायालय में बैठे न्यायाधीश भी तो मनुष्य ही है किन्तु पाप रोकने के लिए वे किसी पापी को फांसी पर भी चढ़ देते हैं तो वह पाप नहीं है तव ही तो पाप रुकेगा कानून से लोग डरेंगे कानून के राज के लिए पापी को सजा आवश्यकता है कभी धर्म और धर्मात्मा पर अत्याचार मत करना यदि ऐसा हुआ तो कर्म इसकी सजा देगा आज व्यक्ति का अंहकार इतना बढ़ गया कि हम धार्मिक स्थल पर भी पहुंच कर अपने अंहाकर की पुष्टि करना चाहते हैं मात्र गुप के कारण हम भगवान को भी वीच में ले लेते हैं आज लोग सज्जनों में भी भेद कर देते हैं ग्रुप से बहिष्कार ना हो जाए इसलिए सच्चे गुरु को भी नमस्कार नहीं करते वताओ भाइयों ऐसा करके हम क्या कर रहे हैं ऐसा कोई काम ना करें जिससे जग हंसाई हो।

दान दुनिया को दिखा कर देना चाहिए

उन्होंने कहा कि मेरा सिद्धांत है धर्म कभी छुपकर नहीं करना दान कभी छुपा कर मत देना नीति है चाणक्य ने चन्द्रगुप्त को समझते हुए कहा कि दान देने वाले का सम्मान करना दान का पैसा भी तो बाजार में आता है हम धर्म के आयातन वनकर मजदूरों, कारीगरों, व्यापारियों को पैसे देकर पैसा मार्केट में भेजते हैं सरकार क्या करतीं हैं मनरेगा नरेगा आदि योजनाओं से गरीबो को काम दिया जाता है हम लोग मन्दिर बनाकर सेठों के पैसे को गरीबो तक पहुंचा देते हैं इससे गरीब का पेट भर जाता है और हमारे देश की संस्कृति सुरक्षा होती चली जाती है और देने वाले को भी सन्तोष रहता है उसके खरे पसीने की कमान से एक भगवान का मन्दिर वन गया एक देव स्थान का निर्माण हो गया जहां लोग शान्ति से बैठ कर धर्म ध्यान करेंगे दो पल सुकून के जीयेंगे।

श्री दिगंबर जैन पंचायत द्वारा सावन स्नेह मिलन का भव्य आयोजन

नए कार्यकारिणी सदस्यों का हुआ हार्दिक स्वागत

ब्यावर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन पंचायती नसिया में आज सावन माह के उपलक्ष्य में पारिवारिक स्नेह मिलन समारोह का भव्य आयोजन बड़े ही उत्साहपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत पारिवारिक जैन हाउसी, अंताक्षरी और विभिन्न मनोरंजक खेलों के साथ हुई, जिसमें सभी सदस्यों और परिवारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्री दिगम्बर जैन समाज के प्रवक्ता अमित गोधा ने बताया कि पंचायत कार्यकारिणी में हाल ही में शामिल हुए नए सदस्यों नवीन बाकलीवाल, अक्षत कटारिया, प्रवीण गोधा, वीरेंद्र गोधा, प्रमोद रांवका, चंद्रेश रांवका और आशीष बाकलीवाल का तिलक लगाकर माला व साफा पहनाकर विशेष रूप से स्वागत किया गया। अध्यक्ष अशोक काला, मंत्री दिनेश अजमेरा, विजय फागीवाल, विकल

कासलीवाल, शशिकांत गदिया, अमित गोधा, कमल रांवका, अतुल पाटनी सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों रूपचंद कांटीवाल, लादूलाल गंगवाल, जम्बू रांवका, चंद्रप्रकाश गोधा, सुमन धगड़ा ने उन्हें माला, साफा और दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले भामाशाह झ लादूलाल , डॉ. राजीव जैन, डॉ. कल्पना जैन, डॉ. रितिक कनिका गंगवाल परिवार झ द्वारा जैन भवन के ऊपर वातानुकूलित भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने पर दिगम्बर जैन समाज द्वारा पूरे परिवार का तिलक लगाकर माला साफा दुपट्टा पहनाकर उनका भी विशेष सम्मान बहुमान किया गया। सभी उपस्थित सदस्यों और उनके परिवारों ने एक साथ सामूहिक गोठ और स्वादिष्ट स्नेह भोज का आनंद लिया, जिससे आपसी भाईचारा और अपनत्व और अधिक प्रगाढ़ हुआ। इस सफल आयोजन के पीछे अध्यक्ष अशोक काला और मंत्री दिनेश अजमेरा का कुशल नेतृत्व और मिलनसार, ऊजार्वान कार्यशैली रही, जिसने सभी कार्यकारिणी सदस्यों में नया उत्साह और जोश भरा। कार्यक्रम में मौजूद सभी सदस्यों ने उनके प्रयासों की खुलकर सराहना की। पूरी कार्यकारिणी ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी ऐसे ही शानदार और सुंदर आयोजनों का क्रम जारी रहेगा, जिससे समाज में एकता और भाईचारे की भावना और मजबूत होगी।

वेद ज्ञान

वास्तविक स्वर्ग

पूरी सृष्टि में ऐसा कुछ भी नहीं जो स्थाई हो। जड़-पदार्थों का अस्तित्व बनता-बिगड़ता रहता है। तब जीव भी कुछ काल तक अस्तित्व में रहकर समाप्त हो जाता है। जीवों में एकमात्र मनुष्य ही है, जो स्वर्ग-नर्क की धारणाओं से बंधा हुआ है। धर्मग्रंथों से लेकर सत्संगों तक में यह कहा जाता है कि अच्छे काम करने चाहिए ताकि स्वर्ग मिले, बुरे काम करने पर नर्क मिलता है। यहीं यह विषय बहस का मुद्दा बन जाता है कि किसने स्वर्ग-नर्क देखा है। इस धारणा के मानने वाले भी सिर्फ यही कहते हैं कि अनेक ग्रंथों में इसका उल्लेख है। मृत्यु के बाद क्या होता है, किसके साथ क्या होता है, यह आस्था पर ही निर्भर है, लेकिन यदि गहराई से मनन किया जाए तो स्वर्ग-नर्क धरती पर ही दिख जाएगा। स्वर्ग व नर्क को मृत्यु के दिन ही नहीं, बल्कि हर घड़ी इसे देखा जा सकता है। प्रथमदृष्टया स्वर्ग-नर्क को क्रमशः सकारात्मकता और नकारात्मकता की छाया प्रति मान कर चिंतन करना चाहिए। जब व्यक्ति सकारात्मक कार्य करता है, तब उसे प्रसन्नता होती है, बस यही स्वर्ग है। स्वर्ग का जीवन आनंददायी बताया गया है। जहां आनंद वहां परमानंद स्वरूप नारायण मौजूद हैं, जबकि नकारात्मक जीवन से भय, ग्लानि, चिंता मन में आती है। हर पल अज्ञात भय बेचैन किए रहता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि नकारात्मक कार्य करने पर दुनिया भले न जाने व्यक्ति का मन तो किए गए नकारात्मक कार्य को जानता है। फिर उसका पर्दाफाश कहीं न हो जाए, इसको लेकर संशय और तनाव बना रहता है। नींद गायब हो जाती है। यदि भय, तनाव से भूख और नींद गायब हो जाए तो फिर जीवन का एक बड़ा सुख गायब हो जाता है। इस संबंध में अकबर-बीरबल की एक कथा समीचीन है कि जब अकबर ने बीरबल से पूछा कि कैसे जान लेते हो कि कोई मरता है तो वह स्वर्ग गया या नर्क गया। बीरबल ने कहा कि जब कोई मरता है और उसके इलाके में लोग मृतक के मरने से अंदर से दुखी दिखते हैं और बोलते हैं कि जब तक जीया लोगों की मदद की, तब जान लेते हैं कि वह स्वर्ग गया और जब मरने वाले की निंदा के साथ उसके कर्मों को कोसते हैं, तब मान लेता हूं कि नर्क गया। यह कहना कि मृत्यु के बाद स्वर्ग-नर्क का निर्धारण होगा, यह व्यक्ति को शिक्षा देने के लिए ग्रंथों में कहा गया है।

संपादकीय

भारतीय निर्यातकों की बढ़ती चिंता...

अमेरिका की ओर से भारत पर पच्चीस फीसद शुल्क लगाने की घोषणा ने न केवल भारतीय निर्यातकों की चिंता बढ़ा दी है, बल्कि इससे भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर भी अनिश्चितताएं पैदा हो गई हैं। स्वाभाविक है कि इससे दोनों देशों को होने वाले नफा-नुकसान को लेकर विभिन्न स्तर पर आकलन भी शुरू हो गया है। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका के इस फैसले के पीछे भू-राजनीतिक

परिदृश्य से भारत पर दबाव बनाने की रणनीति भी शामिल है, लेकिन इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इसका कुछ असर अमेरिका को खुद भी झेलना पड़ सकता है। सवाल यह है कि भारत इस स्थिति से किस तरह निपटेगा ? भारतीय निर्यातकों की चिंता भी वाजिब है, क्योंकि अमेरिकी शुल्क से भारत के निर्यात पर असर पड़ सकता है और अगर ऐसा हुआ तो उनका कारोबार प्रभावित होगा। यही वजह है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के साथ बैठक में निर्यातकों ने सरकार से वित्तीय सहायता और किफायती ऋण की मांग की है। बैठक में निर्यातकों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में ऋण पर ब्याज दरें आठ से बारह फीसद या उससे भी अधिक होती हैं। जबकि प्रतिस्पर्धी देशों में ब्याज दर बहुत कम है। जैसे, चीन में केंद्रीय बैंक की दर 3.1 फीसद, मलेशिया में तीन, थाईलैंड में दो और वियतनाम में 4.5 फीसद है। साथ ही कहा गया कि अमेरिकी खरीदारों ने मांग को रद्द करना या रोककर रखना शुरू कर दिया है। ऐसे में अगर आने वाले दिनों में भारत के निर्यात कारोबार में बड़े स्तर पर गिरावट आई तो इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर कम होने लगेंगे। यों सरकार ने अमेरिकी शुल्क से पैदा होने वाली संभावित दिक्कतों से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के साथ निर्यातकों की बैठक इन्हीं तैयारियों का हिस्सा है। कहा जा रहा है कि सरकार ने निर्यातकों से सुझाव मांगे हैं, जिन पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। इसके अलावा केंद्र सरकार निर्यातकों को समर्थन देने के लिए राज्यों के साथ बातचीत करने पर भी विचार कर रही है। माना जा रहा है कि अमेरिकी शुल्क का ज्यादा असर वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा एवं जूते-चप्पल, रसायन और विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी उद्योग पर पड़ सकता है। भारत के चमड़ा और परिधान निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी तीस फीसद से अधिक है। व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि अगर शुल्क की वजह से अमेरिका में भारतीय वस्तुओं की मांग घटती है, तो निर्यात कारोबारियों को ब्रिटेन और जापान जैसे नए बाजार तलाशने होंगे। ऐसी स्थिति में ब्रिटेन के साथ हुआ भारत का मुक्त व्यापार समझौता फायदेमंद साबित हो सकता है। वहीं, अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का दूसरा पहलू यह है कि भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर भी अनिश्चितता का माहौल पैदा हो गया है। अमेरिका पहले से ही इस समझौते के तहत भारतीय कृषि एवं डेयरी बाजार को खोलने की मांग पर अड़ा हुआ है। हालांकि, भारत स्पष्ट कर चुका है कि राष्ट्रहित से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

लोकलुभावन राजनीति

नीतीश कुमार ने हर महीने 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने की एक और चुनाव पूर्व लुभावनी घोषणा करके बिहार के राजनीतिक गलियारों में सुगबुगाहटें पैदा कर दी हैं। जो नीतीश 2015 के दिल्ली चुनाव में खुले तौर पर ठीक ऐसी ही घोषणा के लिए अरविंद केजरीवाल की आलोचना कर चुके हैं, अब उन्हीं के द्वारा ऐसा ऐलान बताता है कि चुनाव के वक्त पॉपुलिस्ट घोषणाओं के प्रति नेताओं का आकर्षण कितना बढ़ता जा रहा है। देखें तो चुनाव जीतने की अंधी दौड़ में सभी दल इसके आगे झुकते जा रहे हैं। चाहे महिलाओं को लुभाने के लिए उनके खातों में हर माह पैसा देने की बात हो या सरकारी नौकरियों का वादा, नेताओं को लग रहा है राज्यसत्ता उनकी निजी कंपनी है। समग्र विकास और वित्तीय अनुशासन को ताक पर रखकर मुफ्त रेवड़ियां बांटने की सीमाएं तोड़ दी गई हैं। यह प्रवृत्ति चुनावी तंत्र को तार-तार कर रही है और देश भर के राज्यों के खर्च पर भारी-भरकम बोझ डाल रही है। गौर करें कि बिहार में चुनाव से कुछ ही माह पहले नीतीश ने जल्दबाजी में कितनी घोषणाएं कर डाली हैं बिहार की मूल निवासी महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 33% आरक्षण, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन में तीन गुना बढ़ोतरी, एक करोड़ रोजगारों का सृजन, विद्यार्थियों को हर माह 4 से 6 हजार रुपए तक का स्टाइपेंड, महिलाओं को फ्री बस यात्रा और गरीबों को मुफ्त में आवास। इनमें से कई योजनाएं लागू हो चुकी हैं, इसलिए वोटरों को इनका फायदा और इसका बोझ तत्काल दिखने लगेंगे। मसलन, चुनाव आने तक परिवारों को बिजली उपभोग के 'शून्य' भुगतान वाले तीन बिल मिल चुके होंगे। सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी से राज्य के खजाने पर इस साल 9000 करोड़ रु. का अतिरिक्त बोझ आने का अनुमान है। बसों में मुफ्त यात्रा से राजस्व नुकसान का अहसास धीरे-धीरे होगा। कर्नाटक में सत्ता में दो साल पूरा करने के बाद कांग्रेस सरकार को इसकी चुभन महसूस होने लगी है। विद्यार्थियों को स्टाइपेंड का हिसाब तो अभी किया ही नहीं। बीते 20 वर्षों से बिहार की राजनीति में हावी नीतीश ने 'सुशासन' के लिए प्रतिष्ठा अर्जित की थी। हालांकि उन्होंने गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की थीं, पर उनका रवैया एहतियात भरा रहा। उन्होंने अपनी योजनाओं को जरूरतमंदों तक सीमित रखा हैं, उदेश्यहीन तरीके से सौगातें नहीं बांटीं। लेकिन वे मध्यप्रदेश से लेकर महाराष्ट्र और झारखंड तक सत्तारूढ़ सरकारों की हालिया चुनावों में हुई शानदार जीतों से बेखबर नहीं रह पाए। इन राज्यों में सत्तासीन दलों को निम्न आय वर्ग की महिलाओं के लिए सफल योजनाएं लागू करने के कारण खासे वोट मिले थे। कल्याणकारी राजनीति और लोकलुभावनी सियासत में बहुत अंतर है। कल्याणकारी राजनीति का मकसद गरीबों को सहारा देना होता है। भारत जैसे देश में जहां अनुमानों के मुताबिक 20% आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करती है वहां सरकारों को लोगों की मदद के लिए आगे आना होगा। वे लोगों को बाजार की ताकतों के भरोसे नहीं छोड़ सकतीं। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा लगता है कि जमीनी हकीकत से राजनीतिक दलों का नाता टूट चुका है। उनके पास ऐसे कार्यकर्ता और संगठन नहीं बचे, जो उन्हें वास्तविक फीडबैक दे सकें।

इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा ब्रेस्टफीडिंग अवेयरनेस ड्राइव एवं कार्यशाला आयोजित

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनरव्हील क्लब ऑफ कोटा नॉर्थ द्वारा विश्व ब्रेस्टफीडिंग सप्ताह के अवसर ओम कोठारी शिक्षा संस्थान, एन एस एस, बी बी एन, अनंतपुरा, कोटा में एक ब्रेस्टफीडिंग अवेयरनेस ड्राइव एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। क्लब अध्यक्ष प्रमिला पारीक व सचिव रजनी अरोड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम का संचालन यज्ञ दत्त हाडा ने किया। जबकि प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ सी. बी. दास गुप्ता मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता थे कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अमित सिंह राठौड़ ने की डॉ. गुप्ता ने छात्रों को माँ के दूध के महत्व और लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी, जिसमें स्तनपान की अवधि, तकनीक और मुद्रा शामिल हैं क्लब अध्यक्ष प्रमिला पारीक ने छात्रों के साथ इस विषय पर प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को पौधे देकर सम्मानित किया गया और क्लब द्वारा सभी को जलपान कराया गया क्लब सेक्रेटरी रजनी अरोड़ा द्वारा सभी उपस्थित का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में क्लब उपाध्यक्ष डॉ. विजेता गुप्ता, सचिव रजनी अरोड़ा और अन्य क्लब सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अधिवेशन के लिये जैन इंजीनियर्स जयपुर साउथ चैप्टर की विशेष सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेस जयपुर साउथ चैप्टर के आतिथ्य में जेस का 18 राष्ट्रीय अधिवेशन इस बार जयपुर में 20 व 21 दिसंबर को आयोजित किया जा रहा हैं। इसी संदर्भ में दिनाँक 03 अगस्त को जेस साउथ चैप्टर के सभी सदस्यों की विशेष साधारण सभा बड़जात्या सभागार में आयोजित की गई। कार्यवाही णमोकार महामंत्र के उच्चारण के साथ इंजी महेंद्र कासलीवाल की अध्यक्षता में शुरू हुई। अध्यक्ष इंजी महेंद्र कासलीवाल ने सबसे पहले नये सदस्यों का परिचय कराया व विस्तृत रूप से अधिवेशन के लिये बिंदुवार तैयारी के लिए सुझाव व तन मन धन से सहयोग की अपेक्षा की। जेस फेडरेशन के महासचिव इंजी प्रेम चंद छाबडा ने सदस्यों के परिचय के साथ सदस्यों को अब तक अधिवेशन की तैयारियों के बारें में जानकारी दी कि गठबंधन में 100 कमरे व हॉल बुक कर लिये गये। ।सभी सदस्यों से इस अधिवेशन को भव्य एवं अविस्मरणीय बनाने हेतु सभी प्रकार के सहयोग की अपील के साथ ज्यादा से ज्यादा इंजीनियर्स को इस कार्यक्रम के साथ जोडने की आवश्यकता बताई । इंजी महेंद्र कासलीवाल ने अधिवेशन के कार्यक्रम को बहुत ही सुंदर ढंग से संपादित करने लिये विभिन्न कमेटियों जैसे आवास, भोजन, सूचना व प्रसारण, वित्तिय, सांस्कृतिक, रजिस्ट्रेशन इत्यादि के बारे में विस्तृत रूप से बताया। इंजी प्रेम चंद छाबडा ने कमेटियों के लिये सदस्यों से स्वेच्छा से नाम आमन्त्रित किये गये व सदस्यों ने अपने नाम दिये। इंजी. प्रेम चंद छाबड़ा ने अवगत कराया कि फाउंडेशन स्तर से चर्चा कर शीघ्र ही इन विभिन्न समितियों का गठन कर लिया जायेगा। अधिवेशन के व्यय की व्यवस्था के लिये लगभग सभी सदस्यों ने स्वेच्छापूर्वक अधिवेशन के लिये वित्तीय सहयोग की घोषणा भी की । चैप्टर कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने रु 21,000 /- प्रति एवं अन्य सदस्यों ने रु 11,000/-से रु 21,000/- प्रति सदस्य सहयोग की सहमति प्रदान की ।इंजी. देवेन्द्र मोहन जैन (संयुक्त सचिव, जेस फाउंडेशन) ने रु. 21,000/- के सहयोग के अतिरिक्त रु 1,11,111/- के सहयोग की सहमति प्रदान की । सदस्यों ने थीम के लिये भी सुझाव दिये। मीटिंग में नये सदस्यों सहित 75 ने भाग लिया। महिलाओं ने कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया जिसका सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से इंजी प्रेमचंद छाबड़ा महासचिव जेस, इंजी चंद्रशेखर मेहता, इंजी रविंद्र जैन, इंजी सम्प्रति सिंघवी, इंजी देवेंद्र मोहन जैन सयुंक्त सचिव जेस, इंजी आर. के. बाफना, इंजी राजेन्द्र लुहाड़िया की उपस्थिति रही।

राष्ट्र, धर्म, संस्कृति की रक्षा का संकल्प ही रक्षाबंधन है: मुनिश्री विलोकसागर

09 अगस्त को रक्षा बंधन विधान एवं निर्वाण लाडू महोत्सव

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। अन्य समुदायों की तरह जैन समुदाय में भी रक्षा बंधन मनाया जाता है। अन्य धर्मों में जहां रक्षाबंधन को भाई बहिन के स्नेह और रक्षा के रूप में देखा जाता है वहीं जैन धर्म में इसका व्यापक रूप देखने को मिलता है। जैन धर्म में रक्षाबंधन का पर्व विष्णु कुमार मुनि और 700 मुनियों की रक्षा की याद में मनाया जाता है। यह पर्व भाई-बहन के प्रेम के साथ-साथ देश, धर्म, और समाज की रक्षा का संकल्प लेने का भी दिन है। वस्तुतः रक्षाबंधन राष्ट्र, धर्म, जैन संस्कृति, जैन मंदिरों, जैन संतों और जैन समाज की रक्षा के लिए संकल्पित होने का पर्व है, ताकि यह आध्यात्मिक संस्कृति सदैव प्रवाहित होती रहे। कर्मों से ना बंधकर आत्म साधना की रक्षा, आत्म स्वरुप की रक्षा, धर्म की रक्षा, करुणा भाव से समस्त जीवों की रक्षा करना ही रक्षा बंधन है। जैन धर्म में रक्षाबंधन का पर्व मुनि विष्णु कुमार द्वारा 700 मुनियों की रक्षा से जुड़ा है । इस दिन, जैन अनुयायी न केवल भाई-बहन के बीच, बल्कि पूरे समुदाय और धर्म की रक्षा के लिए भी संकल्प लेते हैं. यह पर्व जैन धर्म में आस्था और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन जैन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। उक्त उद्गार बड़े जैन मंदिर में मुनिश्री विलोकसागरजी महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

रक्षाबंधन पर 09 अगस्त को होंगे विभिन्न आयोजन

नगर के बड़े जैन मंदिर में आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित आचार्यश्री आर्जवसागरजी महाराज के शिष्य मुनिश्री विलोकसागर जी महाराज एवं मुनिश्री विबोधसागर जी महाराज का 2025 का आध्यात्मिक पावन वर्षायोग धर्म प्रभावना के साथ चल रहा है। 09 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन पूज्य युगल मुनिराजों के पावन सान्निध्य में प्रातःकालीन वेला में 06.00 बजे श्री जिनेंद्र प्रभु के अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्टद्रव्य से पूजन किया जाएगा । तत्पश्चात 07.00 बजे रक्षा बंधन विधान होगा जिसमें विष्णुकुमार एवं अन्य 700 मुनिराजों की पूजा अर्चना करते हुए 700 अर्घ समर्पित किए जायेगें । प्रातः 08.30 बजे युगल मुनिराजों के प्रवचन होगे ।प्रवचनों के पश्चात भगवान श्रेयांसनाथ स्वामी का निर्वाण लाडू अर्पित होगा, तत्पश्चात पूज्य मुनिराजों द्वारा रक्षा सूत्रों का वितरण किया जाएगा। रक्षाबंधन पर विधान एवं भगवान श्रेयांसनाथ स्वामी के निर्वाण लाडू महोत्सव के लिए सागर से प्रतिष्ठाचार्य पंडित पवनकुमार शास्त्री दीवान को आमंत्रित किया गया है ।विधानाचार्य दीवानजी विधान सहित सभी कार्यक्रमों को मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराएगें । इस अवसर पर संघस्थ ब्रह्मचारी संजय भैयाजी बम्होरी, ब्रह्मचारी राहुल भैयाजी गंज बासौदा, चक्रेश शास्त्री, संजय शास्त्री, नवनीत शास्त्री एवं अन्य विद्वान, त्यागीवृति विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे । कार्यक्रम में भजन गायक एवं संगीतकार मनीष जैन एंड पार्टी द्वारा विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। रक्षाबंधन वाले दिन जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाएगा । इस अवसर पर जैन मंदिरों में सभी श्रावक एवं श्राविकाएं भगवान श्रेयांसनाथ का विशेष पूजन एवं भक्ति करते हुए उनकी उपासना करेंगे । सभी लोग एक साथ भक्ति एवं श्रद्धा के साथ निर्वाण कांड निर्वाण काण्ड का वाचन करते हुए, मोक्ष लक्ष्मी की कामना के साथ निर्वाण लाडू समर्पित करेंगे ।

अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर द्वारा सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर के सदस्यों द्वारा मंगलवार को जयपुर से बीस किलोमीटर करीब दस बीघा में फैले मुहाना ग्राम स्थित ओमाश्रय सेवाधाम में पर्यावरण रक्षार्थ सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया । जैन बैंकर्स फोरम के सचिव सुनील काला ने बताया कि कार्यक्रम में सेवा निवृत्त न्यायाधीश दीपक माहेश्वरी व ग्रामीण बैंक के पूर्व एम डी ज्ञानेंद्र जैन विशिष्ट अतिथि रहे। इधर सेवाधाम के संचालक यश पाल यश ने सभी का ग्रामीण पेय छाछ के साथ स्वागत किया । फोरम के कार्याध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार आयोजन की व्यवस्थाओं में अशोक मित्तल व सुकेश काला का पूर्ण सहयोग रहा साथ ही सेवाधाम के कार्यकर्ताओं ने खड्डे खोदने व पानी खाद आदि तैयार कर रखे थे । सदस्यों द्वारा यज्ञ स्थान के चारों और गोलाकार में अशोक, मीठा नीम, अमरूद, नीबू, अनार, आम, आदि के एक सो से अधिक पौधे लगाये गए। फोरम के मुकेश पांड्या, राजेन्द्र ठोलिया व अक्षय जैन ने बताया कि वहाँ स्थित गौशाला में महिला व पुरुष सदस्यों ने गायों को चारा भी खिलाया। सेवाधाम के संचालक ने बताया कि इस आश्रम में 60 के लगभग लावारिस, असहाय, रोगियों को रखा गया है और इन सभी को समय समय पर चाय नास्ता, दोनो टाइम का खाना दवा, निर्धारित ड्रेस दी जाती हैं। साथ ही पोधो को नियमित पानी आदि की व्यवस्था का आश्वासन दिया। सेवाधाम के कार्यकर्ताओं का जैन बैंकर्स ने सम्मान के साथ आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में राजीव पांड्या, नरेंद्र सेठी, तारा चंद गोधा , सुरेश जैन, राजेन्द्र पापड़ीवाल, जितेंद्र जैन, हेम राज जैन, एस के जैन, डी सी जैन, वीणा जैन, इंदु पाण्ड्या, लखन, राधे उन्हाले आदि की गरिमामय उपस्थिति रही।

पदम चंद गांधी भारत माता साहित्य अलंकरण से सम्मानित

भोपाल. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना इकाई मध्य प्रदेश द्वारा गांधी भवन श्यामला हिल्स भोपाल में दिनांक 2 एवं 3 अगस्त 2025 में आयोजित साहित्यकारों की संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस दो दिवसीय संगोष्ठी में भारत के विभिन्न जगहों से 60 साहित्यकारों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट रचनाओं के लिए राष्ट्रीय संयोजक पदमचंद गांधी को शोल माला ,स्मृति चिन्ह एवं अभिनंदन पत्र द्वारा भारत माता साहित्य अलंकरण से सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम में डा. विकास दवे निदेशक हिंदी साहित्य अकादमी ,डॉ महेश सक्सेना वरिष्ठ साहित्यकार , डॉ अशोक भार्गव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आई ए एस, डॉक्टर जवाहर कर्णावट निदेशक अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र , डॉक्टर शैलेंद्र शर्मा कुलानुशासक विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन , शिक्षा विद बृजकिशोर शर्मा , डॉक्टर शहनाज शेख राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, डा. प्रभु चौधरी कोषाध्यक्ष राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना एवं अनेकानेक साहित्यकार उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम 21वीं साड़ी में भारतीय भाषाएं और देवनागरी लिपि पर मंथन हुआ तथा विश्व में विकास एवं संभावनाएं के विषय में साहित्यकारों अपने भाव व्यक्त किए । पदमचंद गांधी ने अपने भाव प्रस्तुत करते हुए कहा देवनागरी लिपि एवं हिंदी भाषा ब्राह्मी, प्राकृत, पाली भाषा का सफर तय करते हुए आगे बढ़ी है।आसाम, बंगाल ,गुजरात, भारत दक्षिण भारत में मारवाड़ी परिवारों में स्थानीय भाषा का सम्मान करते हुए आर्थिक ऊंचाइयों को प्राप्त प्राप्त किया है। द्वितीय सत्र में काव्या गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम पश्चात डॉक्टर प्रभु चौधरी ने सभी का आभार किया।

जैन मिलन एवं युवा जैन मिलन की संयुक्त बैठक का आयोजन हुआ

आरोन. शाबाश इंडिया

नगर में चातुर्मास हेतु विराजमान मुनि श्री दुर्लभ सागर जी महाराज के आशीर्वाद से जैन मिलन एवं युवा जैन मिलन आरोन की एक संयुक्त बैठक का आयोजन रविवार दिनांक को स्थानीय वर्धमान कॉम्पलेक्स में किया गया। इस बैठक में जैन मिलन एवं युवा जैन मिलन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य गण शामिल हुए। जैन समाज अध्यक्ष विजय डोडिया की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 12 की क्षेत्रीय कार्यकारिणी के सदस्य एवं विधायक प्रतिनिधि मिंटूलाल जैन, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य द्वय भाजपा मंडल अध्यक्ष मुनेश जैन बाखर एवं श्रवण चबूतरा, जैन समाज के मंत्री संजय जैन कंचू, कोषाध्यक्ष जिनेन्द्र गोयल एवं युवा जैन मिलन एवं जैन मिलन आरोन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य गण शामिल हुए। जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 12 के क्षेत्रीय प्रचार मंत्री एवं संयोजक सुनील झंडा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में आगामी 10 अगस्त को तीर्थ रक्षा अभियान के तहत प्रत्येक जैन मंदिर अथवा स्थानक में आयोजित होने वाले इस आयोजन के साथ साथ वार्षिक कार्य योजना एवं विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरूआत में जैन मिलन के सदस्यों द्वारा आमंत्रित सभी अतिथियों एवं समाज के कार्यों में अपनी विशेष योगदान देने वाले नीतेश कालादेव को सम्मानित किया गया।

सेवा कोई कार्य नहीं, यह तो जीवन की साधना है: नवीन कुमार भंडारी

नवीन कुमार भंडारी: एक समर्पित समाजसेवी की प्रेरणादायक यात्रा

कार्य क्षेत्र: समाज सेवा । गो-कल्याण । शिक्षा । स्वास्थ्य । राष्ट्र सेवा
स्थान: जयपुर, राजस्थान
श्रीराम आशापूर्ण चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी।
कई सामाजिक संस्थाओं के मानद पदाधिकारी
सामाजिक सेवा में और पर्यावरण दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम

नवीन कुमार भंडारी एक प्रेरणादायक समाजसेवी हैं, जिन्होंने अपने जीवन को राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए समर्पित कर दिया है। वे गो-रक्षा, शिक्षा, और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निरंतर सक्रिय रहे हैं और इन क्षेत्रों में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं जो समाज के लिए उदाहरण बन चुके हैं। नवीन कुमार भंडारी ने पर्यावरण और समाज दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने 'गो-कास्ट' के माध्यम से गाय के गोबर से लकड़ी का निर्माण किया, जिससे दाह संस्कार के लिए पेड़ों की जरूरत नहीं पड़गी। इससे न केवल पेड़ों की कटाई से बचाव होता है, बल्कि पर्यावरण को भी बड़ा लाभ होता है।

गो-कल्याण में ऐतिहासिक पहल

गोमाता के कल्याण और आत्मनिर्भरता की दिशा में उनका कार्य उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने गाय के गोबर को लकड़ी के रूप में ट्रांसफॉर्म कर पर्यावरण के अनुकूल और धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण 'रावण दहन' कार्यक्रम आयोजित किया। इस अभिनव पहल को गो-काशी से प्रारंभ कर वैश्विक स्तर पर 'विश्व का पहला गो-काष्ट रावण दहन' कहा गया। इसके अलावा, गोबर से बनी वस्तुओं की बढ़ती मांग ने किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि समाज के लिए भी एक सकारात्मक बदलाव लाने में मददगार साबित हो रही है। यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण और गो-सेवा दोनों का अद्भुत संगम है ।पर्यावरण और समाज दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने 'गो-कास्ट' के माध्यम से गाय के गोबर से लकड़ी का निर्माण किया, जिससे दाह संस्कार के लिए पेड़ों की जरूरत नहीं पड़गी। इससे न केवल पेड़ों की कटाई से बचाव होता है, बल्कि पर्यावरण को भी बड़ा लाभ होता है।

जयपुर नगर निगम के साथ सामाजिक करार

गो-कल्याण के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक कदम के रूप में उन्होंने जयपुर नगर निगम ग्रेटर के साथ साझेदारी करते हुए 11 मोक्षधामों को गोद लिया और 'प्रथम टडव' के अंतर्गत उन्हें गो-संवर्धन और स्वच्छता के आदर्श केन्द्र के रूप में विकसित किया। इस पहल का उद्देश्य परंपरागत मूल्यों को आधुनिक प्रबंधन के साथ जोड़ना था।

कोविड-19 के दौरान स्वास्थ्य सेवा में अग्रणी भूमिका

कोरोना महामारी के कठिन दौर में नवीन भंडारी ने जयपुर नगर निगम ग्रेटर के डिप्टी मेयर के सहयोग से 278 स्वास्थ्य कैंपों का आयोजन किया। इन शिविरों में लाखों नागरिकों को कोविड वैक्सीन लगाई गई। उनकी इस सेवा भावना और संगठनात्मक क्षमता को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की **authorised NGO** द्वारा सम्मानित किया गया।

पुरस्कार और सम्मान

'समाज रत्न' उपाधि-गोमाय परिवार की ओर से

गोरत्न से सम्मानित

सामाजिक विभिन्न संगठनों द्वारा नागरिक अभिनंदन एवं स्मृति-चिन्ह

भविष्य की दिशा

नवीन कुमार भंडारी समाज में जागरूकता और सेवा की लहर को और आगे ले जाने के लिए संकल्पित हैं। उनका लक्ष्य है: वंचित बच्चों के लिए शिक्षा की उपलब्धता, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पर्यावरण-संरक्षण और गो-संवर्धन के नवाचार, युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करना।

नवकार किट्टी ग्रुप ने बड के बालाजी की यात्रा की

जयपुर. शाबाश इंडिया

दुर्गापुरा स्थित चन्द्र प्रभ दिगम्बर जैन मंदिरजी की नवकार किट्टी ग्रुप की महिलायें आज दुर्गापुरा जैन मंदिरजी के दर्शन कर बस द्वारा बड के बालाजी अतिशय क्षेत्र पहुंची ।भगवान चन्द्र प्रभ, कमल मंदिर, और सुपार्श्वमति माताजी की समाधि स्थल के दर्शन किये व अर्ग चढाये ।चन्द्र प्रभ भगवान की पूजा की व भक्तिभाव से भजन गाये व भक्तामर का पाठ किया। इसके बाद सावन के गीत गाये एवं झूलों का आनन्द लिया ।हाऊजी व अन्य गेम भी खेले। अध्यक्षा श्रीमती सुमति अजमेरा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

रक्षाबंधन का महत्व

(प्रेम, कर्तव्य और विश्वास की डोर)

रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति का एक ऐसा पावन पर्व है, जो भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह, और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। यह पर्व न केवल एक धागे के बंधन को दर्शाता है, बल्कि इसमें छिपे होते हैं संस्कार, जिम्मेदारी और भावना के गहरे रंग। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधती है और ईश्वर से उसकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि की कामना करती है। बदले में भाई बहन की रक्षा करने का वचन देता है न केवल बाहरी खतरों से, बल्कि जीवन की कठिनाइयों और अकेलेपन से भी।

इतिहास और परंपरा

रक्षाबंधन की जड़ें महाभारत, राजा बलि और लक्ष्मी, तथा रानी कर्णावती और हुमायूं की कथाओं में मिलती हैं। इन प्रसंगों से यह स्पष्ट होता है कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के बीच नहीं, बल्कि विश्वास और रक्षा के हर रिश्ते का पर्व है।

समय के साथ बदलता स्वरूप

आज के समय में रक्षाबंधन केवल खून के रिश्तों तक सीमित नहीं रहा। कई स्थानों पर बहनें सैनिकों को राखी बांधती हैं, और भाई समान मित्रों, समाजसेवियों या गुरुजनों को भी यह पवित्र धागा बांधा जाता है। यह पर्व अब सामाजिक एकता, सौहार्द और प्रेम का उत्सव बन गया है।

आधुनिक संदर्भ में महत्व

रक्षाबंधन आज के दौर में नारी सशक्तिकरण और पारिवारिक मूल्यों की भी याद दिलाता है। यह एक ऐसा पर्व है, जो हमें याद दिलाता है कि रक्षा का अर्थ केवल बाहरी सुरक्षा नहीं, बल्कि भावनात्मक सहारा, सम्मान और आत्मविश्वास देना भी है।

निष्कर्ष: रक्षाबंधन केवल एक त्यौहार नहीं, बल्कि रिश्तों की गरिमा और जीवन के मूल्यों की पहचान है। यह पर्व हमें सिखाता है कि रिश्तों में प्रेम, त्याग और सुरक्षा की भावना ही जीवन को सुंदर बनाती है।

आइए इस रक्षाबंधन पर केवल राखी न बांधें, बल्कि अपने रिश्तों में विश्वास, समर्पण और सहारा का मजबूत धागा भी जोड़ें। रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएँ

अनिल माथुर @ जोधपुर (राजस्थान)

छोड़ना है तो पूरा छोड़ो -भोजन हो या साथ, दोनों चीजें आधी अधूरी छोड़ना अच्छे इन्सान की पहचान नहीं है : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

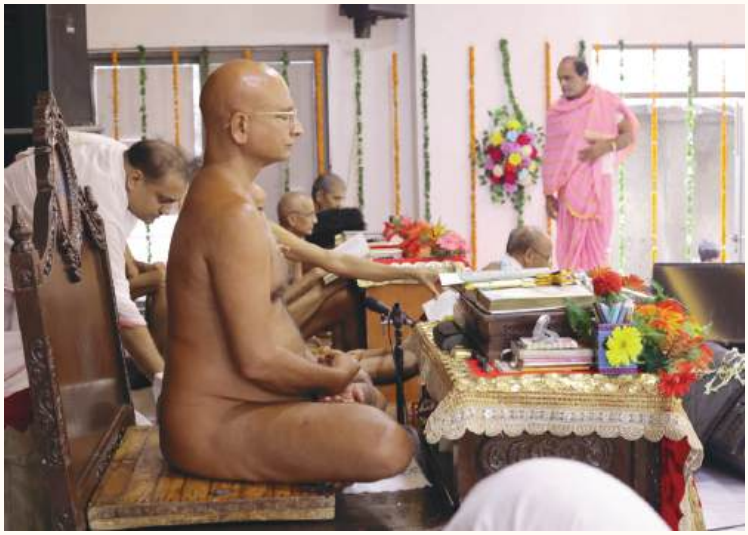

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वर्षायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रुंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि छोड़ना है तो पूरा छोड़ो -भोजन हो या साथ,, दोनों चीजें आधी अधूरी छोड़ना अच्छे इन्सान की पहचान नहीं है.. ! भोजन भाग्य से मिलता है, भाग्य और सौभाग्य से मिले भोजन को जूठा छोड़कर मत जाओ। क्योंकि भोजन परमात्मा का प्रसाद है, भक्त प्रभु के प्रसाद का कभी अपमान नहीं करता। जो भक्त प्रभु के भोजन का अपमान करता है, वह भक्त नहीं कम्बख्त है। इसलिए जब भी प्रभु का प्रसाद ग्रहण करो, अपने विवेक से ग्रहण करो। ध्यान रखो - जीभ जो मांगती है वह मत दो, पेट जो मांगता है वह दो। भोजन करना पुण्य है और जूठा छोड़ना पाप है। इसलिए भोजन को बर्बाद होने से बचायें, क्योंकि भोजन को आपकी मेज तक लाने में किसान ने पूरे साल कमर तोड़ मेहनत की है,, उसकी मेहनत का और पुण्य से मिले भोजन का अपमान ना करें। बहुत बोलने और खाने से जीभ बिगड़ती है। सादा भोजन करने से स्वास्थ्य सुधरता है और कम भोजन करने से जीवन संवरता है। जीभ सुधरने से सम्बन्ध सुधरते हैं और आँख सुधरने से मन सुधरता है। जिसकी जीभ सुधर गई, समझो उसका जीवन सुधर गया। सौ बात की एक बात - भोजन हो या साथ - यदि किसी को ज्यादा दे दो तो वह आधा अधूरा छोड़कर चला जाता है,, इसलिए जितनी जिसकी आवश्यकता हो उतना ही दें, जिससे दोनों का अपमान ना हो... !

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जैन युवा महिला फैडरेशन जनता कॉलोनी का 35वां स्थापना दिवस वृक्षारोपण कर मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन युवा महिला फेडरेशन जनता कॉलोनी के 35वें स्थापना दिवस पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पेड़ मां के नाम अभियान एवं राजस्थान पत्रिका हरियालो राजस्थान मुहिम के तहत जनता कॉलोनी दीनदयाल उपाध्याय सर्किल के पास स्थित श्री गुरु जी स्मृति खेल मैदान पर प्रकृति एवं प्रादूर्षण के बचाव हेतु 100 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। जैन युवा महिला फैडरेशन अध्यक्ष मंजू गंगवाल एवं सचिव सुधा जैन ने बताया इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं आदर्श नगर क्षेत्र के पूर्व विधायक अशोक परनामी, क्षेत्रीय पार्षद सुनील दत्त शर्मा ,मंडल अध्यक्ष डॉ. के एम परीक, वार्ड अध्यक्ष सुनील जैन,जिला मंत्री अल्का खंडेलवाल, जेएसजी नॉर्दर्न रीजन उपाध्यक्ष सुधीर गंगवाल, राजस्थान जैन युवा महासभा जवाहर नगर संभाग के मंत्री विनोद जैन, फेडरेशन पूर्व अध्यक्ष दीप्ति जैन,सुनीता कासलीवाल, विनीता बड़जात्या,सुनीता सेठी,संध्या गंगवाल जनता कॉलोनी संस्थान अध्यक्ष राकेश जैन,अनिल जैन,राजकुमार जैन,आशीष जैन,गोपी खंडेलवाल,पवन कानूनगो,महेंद्र जुनेजा,काकू,हर्षित कानूनगो,मनोज गंगवाल एवं स्थानीय समाज के गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। सुधीर गंगवाल विनोद जैन ने बताया राजस्थान पत्रिका प्रतिनिधि अब्दुल जी द्वारा उपस्थित जन समुदाय को पौधों के रखरखाव हेतु शपथ दिलाई गई।

पनवेल में राष्ट्रीय महिला अधिवेशन सम्पन्न

नारी चेतना, संयम और संस्कार की बनी प्रेरणादायक मिसाल

पनवेल. शाबाश इंडिया

श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी के सान्निध्य में पनवेल के जैन स्थानक मे राष्ट्रीय महिला अधिवेशन सम्पन्न हुआ। इस आयोजन की संकल्पना पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा रूचिरा सुराणा, पंचम जोन अध्यक्षा कल्पना कर्नावट एवं प्रेरणा महिला मंडल अध्यक्षा स्मिता बांठिया द्वारा की गई। इस अवसर पर युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने महिलाओं को उद्बोधन देते हुए कहा जिस नारी में संयम, संवेदना और संकल्प की त्रिवेणी हो, वही समाज की सच्ची निमार्ता होती है। नारी के संस्कार ही परिवार की आत्मा और समाज की दिशा तय करते हैं। अधिवेशन में कई विशिष्ट जन प्रतिनिधियों व सामाजिक कार्यकताओं की उपस्थिति रही, जिनमें विधायक प्रशांत ठाकुर, विधायक विक्रांत पाटिल, प्रीतम म्हात्रे, वर्षा ठाकुर, मोहिनी पाटिल, ममता म्हात्रे, अर्चना ठाकुर, तथा टीवी अभिनेत्री देशना दुग्गड़ ।साथ ही जैन समाज की प्रमुख हस्तियाँ मे राष्ट्रीय महिला जैन कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षा संतोष जैन, महामंत्री रिचा जैन, चेयरपर्सन अनामिका तलेसरा, राजकुमारी बोहरा, मंजु दरणा, मीना रांका, पुष्पा खोखावत, सुरेखा कटारिया, सुंदा भंसाली तथा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पारस मोदी, अशोक पंगारिया, चातुर्मास समिति अध्यक्ष राजेश बांठिया, तथा मनोज बांठिया, नितिन मुनोत, शीतल बांठिया, शैलेन्द्र खैरोड़िया, जितेन्द्र बालड़, जयंती परमार, रणजीत काकरेचा, गौरव, ऋषभ, गिरीश, वैभव बांठिया, प्रियुष कोठारी, सचिन गुंदेचा आदि पदाधिकारियों की उपस्थित रही। अधिवेशन तीन चरणों में सम्पन्न हुआ प्रथम चरण मे स्वागत एवं युवाचार्यश्री का मंगलपाठ व प्रवचन,द्वितीय चरण मे उद्घाटन, प्रस्तावना, आज की समस्याओं एवं जीवनशैली संवाद एवं तृतीय चरण मे समाज की प्रमुख बहनों द्वारा वास्तविक समस्याओं का समाधान एवं युवाचार्यश्री से मार्गदर्शन रहा। अधिवेशन की सूत्रधार रूचिरा सुराणा व स्मिता बांठिया के नेतृत्व में उपस्थित 500 से अधिक महिलाओं ने परिवार, धर्म और करियर में संतुलन साधने की कला सीखी और आत्म विकास का सामूहिक संकल्प लिया। प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने बताया कि समाज में विशिष्ट योगदान केलिए देशना दुग्गड़ को आनंद महेन्द्र कन्या गौरव रत्न,राजेश बांठिया को आनंद महेन्द्र श्रमण रत्न, संतोष जैन को आनंद महेन्द्र श्राविका रत्न, रिचा जैन को आनंद महेन्द्र आर्यन लेडी रत्न और रूचिरा सुराणा को आनंद महेन्द्र समाज प्रेरणा रत्न से अलंकृत और सम्मानित किया गया। महिला अधिवेशन को सफल बनाने मे प्रेरणा महिला मंडल, आनंद धार्मिक मंडल, मेवाड़ महिला मंडल अंधेरी, मित्र मंडल एवं ओस्तवाल उत्कर्ष मंडल का विशेष सहयोग रहा। जिसमे स्मिता बांठिया, अंजिल बांठिया, सुनीता बोहरा, उज्ज्वला पारख, नीता, कोमल, कीर्ति, प्रीति, नैना बांठिया, नम्रता एम. बांठिया, ज्योति कटारिया, हितल बालड़, रिना गुंदेचा, आकांक्षा, स्नेह कनार्वट, धनश्री गुंदेचा, पल्लवी मुनोत, स्मिता बोहरा, प्रियंका श्रीमाल, आशा इटोदिया आदि सभी बहनों ने अधिवेशन को सफल बनाने मे सहयोग दिया। -**प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

कषाय जीवन में दुःख अशांति और क्लेश का कारण बनते हैं,कषायों का त्याग करके ही आत्मा मोक्ष प्राप्त कर सकती हैः आर्यिका सुरम्य मति माताजी

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में विराजमान आर्यिका सुरम्यमति माताजी स संघ के पावन सानिध्य में चल रही चातुर्मास प्रवाहना में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि आज प्रातः पार्श्वनाथ चैताल्य में अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्ट द्रव्यों से पूजा अर्चना के बाद आचार्य सुन्दर सागर महाराज, आर्यिका विशुद्ध मति माताजी, आर्यिका श्रुत मति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी,आर्यिका सुरम्य मति माताजी सहित विभिन्न पूवार्चार्यों के अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि की कामना की गई ,कार्यक्रम में प्रवचन श्रृंखला में आर्यिका श्री ने श्रृद्धालुओं को संबोधित करते हुए अपनी मंगलमयी वाणी से शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर की पावन वंदना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जैन धर्म में सम्मेद शिखर तीर्थ की यात्रा को मोक्ष प्राप्ति का एक महत्वपूर्ण साधन माना जाता है, मान्यता है कि जो व्यक्ति श्रद्धा और भक्ति के साथ इस तीर्थ की यात्रा करता है उसे अगले जन्मों तक कर्म बंधनों से मुक्ति मिलती है। इस पर्वत पर 20 तीर्थंकरों को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी इसलिए यह स्थान जैनियों के लिए विशेष महत्व रखता है, इस तीर्थ की यात्रा करने से मन को शांति मिलती है, और आध्यात्मिक संतुष्टि मिलती है,इसी कड़ी में आर्यिका श्री ने जीवन में उत्पन्न कषायों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि क्रोध ,मान ,माया, लोभ यह चार प्रकार के कषाय होते हैं किसी भी व्यक्ति को किसी भी मनुष्य के प्रति 6 महीने से ज्यादा कषाय नहीं रखने चाहिए,

उससे कर्म का बंध होता है, कषाय आत्मा को कर्मों से बांधते हैं जिसे जन्म मृत्यु के चक्कर में फंसा रहता है, कषाय जीवन में दुःख अशांति और क्लेश का कारण बनते हैं,कषायों का त्याग करके ही आत्मा (मुक्ति)मोक्ष प्राप्त कर सकती है। कार्यक्रम में मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चौधरी ने बताया कि इससे पूर्व जितेन्द्र कुमार मोदी ने ''जब से गुरु दर्श मिला मनवा मेरा खिला-खिला'' मंगलाचरण के द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत की, कार्यक्रम में मितेश लदाना ने बताया कि महावीर प्रसाद, प्रेमचंद, कमलेश कुमार, विनोद कुमार, पंकज कुमार,आरव,आयुष जैन कठमाणा परिवार के द्वारा कार्यक्रम में चल रहे 48 दिवसीय भक्तामर पाठ एवं दीप अर्चना में सहभागिता निभाते हुए लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में ललित मांदी एवं विनोद कुमार मोदी ने बताया कि विरेंद्र कुमार- रौनक कुमार नला वाले परिवार जनों के आवास पर आज आर्यिका सुरम्य मति माताजी की निअन्तराय आहार चर्या हुई। मंदिर समिति के पारस मोदी ने बताया कि कार्यक्रम में कैलाश कलवाड़ा, मोहनलाल झंडा सोहनलाल झंडा, शिखर मोदी,सुकुमार झंडा,महावीर कठमाना, पारस गिंदोड़ी, प्रेमचंद कठमाना,नवरत्न कठमाना, कमलेश कठमाना,अशोक नला सुरेंद्र चौधरी, कमलेश चोधरी, विरेन्द्र नला, कमलेश चौधरी, मितेश लदाना,अनिल कठमाना, शिखर कठमाना, नीरज झंडा,पारस मोदी,ललित मांदी, अरुण गंगवाल तथा विनोद मोदी सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

राजाबाबू गोधा जैन महासभा मिडिया प्रवक्ता राजस्थान

पाटनी दंपति ''सेवा महारथी'' के पुरस्कार से सम्मानित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था के सदस्य लायन अतुल पाटनी एवं पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी को लायंस क्लब्स इंटरनेशनल 3233 ई 2 की शाखा लायंस क्लब सुमेरपुर जवाई के लायनेस्टिक वर्ष 2024 25 के अध्यक्ष लायन हरीश अग्रवाल ने सेवा महारथी का अवार्ड देकर सम्मानित किया। प्रांतीय सभापति एवं लायंस क्लब सुमेरपुर जवाई के वरिष्ठ सदस्य लायन श्रवण राठी ने इस अवसर पर पाटनी दंपति द्वारा वर्ष भर सुमेरपुर एवं आस पास के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में जरूरतमंदो विशेषकर बच्चों के लिए भेजी गई सेवाओं का उल्लेख करते हुए उनके सेवा भाव की प्रशंसा की। इस अवसर पर सुमेरपुर जवाई के सभी सदस्यों ने समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल के प्रति भी अपनी शुभ कामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर पूर्व संभागीय अध्यक्ष लायन शशिकांत वर्मा,लायन अतुल कुमार विजयवर्गीय,लायन श्रवण राठी,लायन हरीश अग्रवाल,लायन सुरेश गोयल, दिनेश अग्रवाल,भूपेन्द्र गोयल मितेश गोयल, मधुसूदन अग्रवाल महेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

पहचान का दीप भीतर जलाओ, दिखावे से जीवन नहीं निखरता: उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

दिखावे की दुनिया में लोग बाहरी चकाचौंध में खो जाते हैं, जबकि जीवन की सच्ची सुंदरता आत्म-स्वीकृति, सज्जनता और संघर्ष में निहित होती है। शांति भवन में मंगलवार को आयोजित धर्मसभा में उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा व्यक्ति की पहचान उसके वस्त्र, रूप या यश से नहीं होती, बल्कि उसकी सज्जनता, व्यवहार और संघर्ष ही उसे पहचानने योग्य बनाते हैं। उन्होंने आगे कहा इस संसार में चाहने वाले तो बहुत मिलते हैं, पर पहचानने वाले विरले होते हैं। इसलिए जीवन को ऐसा बनाओ जो दिखावे योग्य नहीं, बल्कि पहचान योग्य हो। महासती विद्याश्री ने कहा कि जब तक व्यक्ति स्वयं को स्वीकार नहीं करता, तब तक वह आत्मकल्याण की दिशा में आगे नहीं बढ़ सकता। आत्म-स्वीकृति से ही आत्मबल जन्म लेता है, और वही जीवन को दिशा देता है। साध्वी हर्षश्री एवं साध्वी जयश्री ने कहा व्यक्ति के जीवन में असुरक्षा, भय, भ्रम और मानसिक अशांति जन्म लेती है। लेकिन जब यह चक्र संतुलित होता है, तो साधक के भीतर एक ऐसी शक्ति का उदय होता है, जो उसे कठिनाइयों में भी अडिग बनाए रखती है। इस अवसर सभा मे संरक्षक नवरतनमल बम्ब, अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चीपड़, कंवरलाल सूरिया, आनंद चपलोत, महिला मंडल अध्यक्ष मीनाक्षी डागा, प्रमिला सूर्या, कमला चौधरी, सिम्मी पोखरण सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रीसंघ के मंत्री नवरतनमल भलावत ने जानकारी दी कि आगामी 9 अगस्त को साध्वीवृंद के सान्निध्य मे रक्षाबंधन के दिन भाई-बहनों का विषेश सहजोड़े का जाप शांति भवन मे रखा गया है। -**प्रवक्ता निलिष्का जैन**

ज्ञान तभी सार्थक जब उसके साथ व्यवहारिकता एवं संस्कार भी जुड़े हो: मुनि अनुपम सागर

हिंसा एवं हैवानियत के वातावरण पर अंकुश नहीं लगाया गया तो मानव जाति पर खतरा, श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में संयम भवन में वर्षायोग प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवन में ज्ञान तभी सार्थक है जब उसके व्यवहारिकता एवं संस्कार भी जुड़े हो। रावण के पास भी ज्ञान था लेकिन व्यवहारिक एवं नैतिक संस्कार नहीं होने से उसका विनाश हो गया। ज्ञान के साथ जीवन में संस्कार होना बहुत आवश्यकत है। जब तक सुसंस्कार नहीं मिलेंगे ज्ञान का सार्थक उपयोग नहीं हो पाएगा। ये विचार श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में वर्ष 2025 का चातुर्मास कर रहे पट्टाचार्य आचार्य विशुद्धसागर महाराज के शिष्य मुनि अनुपम सागर ने मंगलवार को संयम भवन में चातुर्मासिक (वर्षायोग) प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि शाश्वत सुख शांति की प्राप्ति के लिए जीव को सम्यक विधि के साथ सम्यक ज्ञान के द्वारा सम्यक लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सम्यक क्रियाएं करनी चाहिए। श्रद्धा एवं ज्ञान के साथ-साथ सिद्धांतों का अवलोकन करते हुए अपने जीवन में आचरण में उतारना भी आवश्यकत है। मुनिश्री ने कहा कि वर्तमान में सर्वत्र हिंसा एवं हैवानियत का वातावरण है। इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो सम्पूर्ण मानव जाति पर खतरा मंडरा जाएगा। संवेदनशील मामलों में संतो के मार्गदर्शन से समय रहते सकारात्मक कदम उठाने के प्रयास करे। प्रवचन में मुनि निर्मोहसागर महाराज ने जीवन में विद्या प्राप्ति एवं व्यवहारिक बनने पर जोर देते हुए कहा कि विद्या एवं विधा के सभी आयतनों का यथायोग्य पूरा सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्या मिलने पर जीवन में हमारा आचरण भी प्रेरणादायी तभी वह फलती फूलती है।श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि धर्मसभा के प्रारंभ में सुभाषनगर मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा देव शास्त्र गुरू के समक्ष दीप प्रज्वलन,गुरू पाद प्रक्षालन, जिनवाणी भेंट एवं अर्ध समर्पण किया गया। मंगलाचरण अरविन्द अजमेरा ने किया।

संत दुलाराम कुलरिया की स्मृति में हुए सेवा कार्य

10वीं पुण्यतिथि आज : पद्मश्री प्रह्लाद सिंह टिपानिया और प्रकाश माली भजन प्रस्तुत करेंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया

गौसेवा-मानव सेवा के प्रेरणा स्त्रोत संत दुलाराम कुलरिया की दसवीं पुण्यतिथि की पूर्व संध्या मंगलवार 05 अगस्त को आह्वान जनकल्याण एवं सेवा समिति (रजि.) जयपुर की ओर से विभिन्न सेवा कार्य किए आयोजित हुए। समिति संरक्षक एवं आल इंडिया ब्राहमन फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव रमेश ओझा ने कहा की संत की पुण्यतिथि पर टोंक रोड पुलिया के व्यस्ततम क्षेत्र में वॉटर कूलर स्थापित किया गया। उक्त स्थान पर पेयजल व्यवस्था से बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स, दिहाड़ी श्रमिकों सहित राहगीर लाभान्वित होंगे। साथ ही विभिन्न प्रकार के छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। इसके अतिरिक्त पाली और जोधपुर में भी पौधारोपण हुआ। उन्होने कहा कि सन्त दुलाराम कुलरिया के भामाशाह सुपुत्रों भँवर-नरसी-पूनम कुलरिया चिकित्सा, पर्यावरण , गोसेवा और बालिका शिक्षा में अपने पिताजी की प्रेरणा से मुक्त हाथ से सहयोग करते है। इस अवसर पर व्यंग्यकार एवं एक्स सीएम के ओएसडी रहे फारूक आफरीदी, समिति अध्यक्ष नरेश राय, फिटनेस गुरु बृजेन्द्र जटबलाई, समाजसेवी फिरोज,जितेंद्र पाटोदी, गौसेवी अमित मिश्रा, पूर्व राजकीय अधिकारी जीके गौड़,वीरेंद्र आजाद, विजय कुमावत नरेश वर्मा, राजू, संस्था सचिव नफीस आदि जनसेवी उपस्थित रहे। गौरतलब है की गोसेवी संत दुलाराम कुलरिया की पुण्यतिथि छह अगस्त को है। इस दिन संत कुलरिया का फलसा, मूलवास, सिलवा बीकानेर में प्रसिद्ध गायक पद्मश्री प्रह्लाद सिंह टिपानिया और प्रकाश माली भजन प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में सिंथल पीठाधीश्वर महंत क्षमाराम महाराज, आचार्य बालाजी दास महाराज श्री बालाजी, संत सुखदेव महाराज कुचेरा सहित विभिन्न संतगण उपस्थित रहेंगे। इस दिन सम्पूर्ण भारत में जगह जगह सेवा कार्य भी आयोजित होंगे।

अहंकार जीवन के लिए अभिशाप : मुनि आदित्य सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

पट्टाचार्य विशुद्ध साग महाराज के शिष्य मुनि आदित्य सागर महाराज के सान्निध्य में कीर्ति नगर स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मंगलवार 5 अगस्त को आयोजित धर्म सभा में कहा कि अहंकार जीवन के लिए सबसे बड़ा अभिशाप है जब अहंकार को ठेस लगती है तो क्रोध आता है और क्रोध से व्यक्ति का हमेशा पतन होता है। पैसा आने के बाद अहंकार ना आए यह सबसे बड़ी महानता है। अहंकार रहित प्रभुत्व दुर्लभता से मिलता है। पैसे से हम अच्छे कर्म नहीं खरीद सकते लेकिन पैसा होने पर अच्छे कर्म कर सकते हैं। आज दुनिया में दिखावे की जिंदगी इंसान जी रहा है जो की बिल्कुल गलत है। हमें दिखावे कि नहीं वास्तविक जीवन व्यतीत करना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि अहंकार से व्यक्ति का पतन होता है उत्थान नहीं और सत्य की राह पर चलने से धन की कमी कभी नहीं आती। ज्ञान वैभव संपत्ति के साथ हो यह बात दुर्लभ है। पैसा आने पर व्यक्ति बोरा जाता है अगर वह संभल जाए तो उसका पतन नहीं होगा। मुनि श्री ने कहा कि व्यक्ति को मुनियों के उपकरण, जिनवाणी का व्यापार नहीं करना चाहिए जो इनका व्यापार करते हैं उनका पतन निश्चित है। आज लोग मुनियों के नाम पर पैसा कमा रहे हैं उनकी दुर्गति निश्चित रूप से होगी। ब्रह्मचारियों को संदेश देते हुए कहा कि आपको मुनि बना है मुनीम नहीं अगर आप कोई अनुष्ठान करते हैं तो पैसा कभी मत लेना। ज्ञान कभी बेचा नहीं जाता बांटा जाता है। जैन संस्कृति है जहां साधु धर्म का मार्ग बताते हैं लेकिन कभी पैसा नहीं लेते। ज्ञान का प्रकाश करो प्रदर्शन मत करो। मुनि श्री ने कहा

कि साधु की संपत्ति उनके ऊपर विश्वास करने वाले गुरु व समर्पित शिष्य हैं। शिष्य अगर समर्पित है सच्चा है तो वह अपने गुरु को भ्रष्ट नहीं होने देगा। साधु चरित्र धारण के लिए बनना चाहिए धन संग्रहण, नाम के लिए नहीं। गुरु के पास रहने का आनंद अलग होता है। गुरु के पास पैसा लेकर नहीं विश्वास लेकर जाना चाहिए। हमारे जीवन में एक गुरु का जरूर होना चाहिए।

बाहुबली के जयकारों से गूंजा चित्रकूट

जिस प्रयोजन के लिए जन्मे हो उसका नियोजन भी कीजिए: आचार्य सुंदर सागर

आर्यिका सुकाव्य मति माताजी द्वारा स्वरचित बाहुबली विधान का पहला आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर स्थित चित्रकूट कॉलोनी के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य सुंदर सागर महाराज ससंघ का भव्य चातुर्मास चल रहा है। आचार्य श्री के सानिध्य में जैन धर्मावलंबी तप संयम व साधना के विभिन्न कार्यों में सम्मिलित होकर धर्म लाभ उठा रहे हैं। मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा व मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया कि आचार्य श्री अपनी चर्या के माध्यम से सभी लोगों को आत्म कल्याण के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को जयपुर में पहली बार आर्यिका सुकाव्य मति माताजी द्वारा स्वरचित बाहुबली विधान का संगीतमय आयोजन किया गया ।आचार्य श्री के सानिध्य में स्वरचित बाहुबली महामंडल विधान में भक्तगणों ने संगीत व साज बज के साथ भजनों की प्रस्तुति पर जमकर नृत्य किया एवं विभिन्न वलय पर भगवान बाहुबली को समर्पित अर्घ्य अर्पित किए और आत्म कल्याण के साथ विश्व शांति की कामना की। संयोजक राहुल सिंघल ने बताया कि पुण्यार्जक पदम कुमार सुरेश सिंघल परिवार ने आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन कर महा आरती की।

सुंदर मंगल प्रवचन

आचार्य श्री सुंदर सागर महाराज ने मंगलवार को प्रवचन करते हुए कहा कि कि व्यक्ति का जन्म किसी ना किसी प्रयोजन के लिए हुआ है परंतु व्यक्ति उस प्रयोजन को नहीं समझ पाता है और भव-भव में भटकता रहता है। वीतराग शासन कहता है कि हमें हमारी आत्मा से साक्षात्कार उस प्रयोजन का पता करना चाहिए और जिस प्रयोजन के लिए हमारा जन्म हुआ है उस प्रयोजन के लिए वैसा ही नियोजन भी करना चाहिए । क्योंकि बिना नियोजन किया कोई भी लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। आचार्य श्री ने कहा कि जब तक पाप कर्म का उदय होता है सोना भी मिट्टी बन जाता है और जब हमारे अच्छे कर्मों से पुण्य का उदय होता है तो मिट्टी भी सोना उगलने लगती है ।इसलिए व्यक्ति को अपने कर्मों का क्षय करके आत्म कल्याण की ओर अग्रसर होना चाहिए। जैसे ही आत्म कल्याण होता है , आत्मा से साक्षात्कार होता है तो व्यक्ति भगवान बन जाता है और जब भगवान बन जाता है तो वंदनीय और पूजनीय हो जाता है। इसलिए जीवन में पूजनीय होना चाहते हो तो अपने कर्मों का क्षय करो और आत्मा का कल्याण करो। उन्होंने कहा कि आज का दिन खराब है तो कोई बात नहीं आप संयम रखें और धर्म में रमण कीजिए कुछ दिनों बाद आपका दिन ही नहीं आपका जीवन और आपका भव भी सुधर जाएगा । आचार्य श्री ने भगवान बाहुबली के बारे में बताते हो कहा कि उन्होंने कठोर तप करके आत्म कल्याण को प्राप्त किया था।

रोजाना होती है धर्म सभा प्राप्त धर्म सभा और आगम युक्त समाधान

संयोजक केवलचन्द गंगवाल व संयुक्त मंत्री सत्यप्रकाश कासलीवाल ने बताया कि आचार्य जी के नित्य प्रतिदिन कार्यक्रमों में प्रातः 8:30 बजे से सुंदर मंगल प्रवचन व सायंकाल आगम युक्त शंका समाधान का भव्य कार्यक्रम होता है जिसमें आमजन अपनी शंकाओं का अगम युक्त समाधान प्राप्त करते हैं। सायंकाल प्रसिद्ध कवि व साहित्यकार संजय झाला ने आचार्य श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया इसी क्रम में देश के विभिन्न जगह से आए भक्तों ने भी आचार्य जी के चरणों में श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सौभाग्य दशमी पर्व पर महिलाओं ने रखे उपवास, मंदिरों में की पूजा अर्चना

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोबनेर, जयपुर। कस्बे सहित क्षेत्र में जैन समाज की महिलाओं ने सोमवार को सौभाग्य दशमी पर्व मनाया।आशिका जैन ने बताया कि इस दिन विवाहित महिलाएं उपवास रख मंदिरों में विशेष पूजाअर्चना करती हैं।जैनधर्म मे सौभाग्य दशमी का विशेष महत्व है। इस दिन शादी के बाद से ही महिलाएं उपवास रखना प्रारंभ कर देती हैं।यह पर्व मूल रूप से अंतराय कर्मों के नाश के लिए किया जाता है।जोबनेर में महिलाओं ने भगवान के समक्ष विशेष पूजा अर्चना की।इस दौरान रुचि पाटनी,खुशी गंगवाल,प्रिया ठोलिया,पूजा बड़जात्या,निशा ठोलिया, निकिता सेठी आदि मौजूद रहे।

वृक्षारोपण को बनाएं जीवनशैली का हिस्सा: जिला कलेक्टर

अभियान अंतर्गत रोपे 511 वृक्ष

श्रीमहावीरजी. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी में जिला स्तरीय मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। व्यवस्थापक नेमीकुमार पाटनी ने बताया कि मुख्यमंत्री वृक्षारोपण अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसके मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल रहे। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने अपने संबोधन में कहा, वृक्षारोपण केवल एक कार्य नहीं, बल्कि हमारी जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। पेड़-पौधे हमें ऑक्सीजन, छाया और स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें और भावी पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील

की कि वे अपने जीवन में अपने जन्मदिन या अन्य मौके पर कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करें। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, जैन धर्म ने प्रकृति संरक्षण का संदेश सबसे पहले दिया। यह धर्म हमें अहिंसा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता सिखाता है। वृक्षारोपण के माध्यम से हम न केवल पर्यावरण की रक्षा करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण भी करते हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र की प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल ने की उन्होंने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि आज कस्बे के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर इस कार्यक्रम के अंतर्गत छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए हैं जिस प्रकार छोटे बालक का पूर्ण ध्यान रखते हुए पालन पोषण किया जाता है इस प्रकार हम लगा रहे पौधों का ध्यान रखेंगे वह उनके बड़े होने तक की स्थिति तक सामूहिक रूप से कर्तव्य निभाएंगे। मंत्री सुभाष जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष ही जीवन की सुरक्षा में लंबी आयु स्वास्थ्य का आधार है हमें पौधे लगाने हैं वह इनका पालन पोषण करना है इस मौके पर उपस्थित सभी लोगों को पौधों की नियमित देखभाल की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं मंत्री सुभाष जैन ने सभी अतिथियों और उपस्थित गणमान्य लोगों का स्वागत किया और वृक्षारोपण महाअभियान को सफल बनाने में सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।सभी ने एकजुट होकर वृक्षारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।यह आयोजन हरियालो राजस्थान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य राजस्थान को हरित और समृद्ध बनाने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करना है। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पौधरोपण के प्रति उत्साह दिखा ,इस अवसर पर जिला उपवन संरक्षक सुमित बंसल, मानद मंत्री सुभाष जैन, संयुक्त मंत्री उमरावमल संघी, पीके जैन , तहसीलदार हरसहाय मीना, राजकीय स्कूल की प्रिंसिपल मुकुट कुमारी, कमेटी के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल विष्णु सिकरवार, विशेष अधिकारी विकास पाटनी सहित कई गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

पांड्या परिवार द्वारा श्रमण संस्कृति संस्थान के बालकों को भोजन करवाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

पांड्या परिवार राहोली वाले द्वारा श्रमण संस्कृति संस्थान के बालकों को प्रातः का भोजन करवाया गया। आदिनाथ मित्र मंडल के संरक्षक राकेश गोदिका ने बताया कि आदिनाथ मित्र मंडल के उपाध्यक्ष विमल कुमार - शीला पांड्या द्वारा सांगानेर स्थित श्रमण संस्कृति संस्थान के 220 छात्रों को प्रातः का भोजन करवाया गया। इस अवसर पर आदिनाथ मित्र मंडल के संरक्षक राकेश गोदिका, कोषाध्यक्ष मुकेश जैन, अशोक सेठी, सौभाग मल जैन , अशोक सोगानी, अनिल दोषी, छात्रावास के महामंत्री सुरेश कासलीवाल, प्रशांत जैन, राहुल जैन आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। भोजन पुण्यार्जक रतन लाल- सूरज देवी, विमल- शीला, देवेंद्र- रेखा, मनोज - इंद्रा, सुरेश- सुमन, नेहा- पीयूष, अक्षय - नीति, भानु - मेहुल, अवनी,अनुज, आध्या एवं नेहा पांड्या पांड्या परिवार राहोली वाले थे।